

 सत्यमेव जयते	<b>राजस्थान राजपत्र</b> <b>विशेषांक</b>	<b>RAJASTHAN GAZETTE</b> <b>Extraordinary</b>
	<b>साधिकार प्रकाशित</b>	<b>Published by Authority</b>
	<b>भाद्र 15, बुधवार, शाके 1945-सितम्बर 06, 2023</b> <i>Bhadra 15, Wednesday, Saka 1945- September 06, 2023</i>	

**भाग-1(ख)**

**महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।**

**राजस्व विभाग (क)**

**विज्ञप्ति**

**जयपुर, जुलाई 18, 2023**

**संख्या प. 2 (1)वन/2023** :-चूँकि संलग्न अनुसूची में वर्णित वनभूमि एवं बंजर भूमि सरकार की सम्पतियाँ हैं या उनमें सरकार के स्वामित्व अधिकार हैं या उनकी सम्पूर्ण या आंशिक वन उपज पर सरकार का अधिकार है और चूँकि ऊपर कथित वन भूमि या बंजर भूमि को सरकार राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 की उप धारा (1) के अंतर्गत संरक्षित वन के रूप में घोषित करने का विचार रखती है। और चूँकि, पूर्वोक्त भूमि पर सरकार और निजी व्यक्तियों के अधिकारों कि सीमा एवं स्वरूप अभी तक किसी प्रकार के लेखबद्ध नहीं किये गए हैं।

और चूँकि सरकार यह भी विचार रखती हैं कि पूर्वोक्त वन भूमि या बंजर भूमि में या पर सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों कि सीमा एवं स्वरूप के सम्बन्ध में जांच किया जाना एवं उन्हें लेखबद्ध किया जाना

आवश्यक हैं परन्तु चूँकि इन कार्यों के संपादन में जितना समय लगेगा कि इस प्रक्रिया के समाप्त होने तक सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने कि आशंका रहेगी।

अतः राजस्थान वन अधिनियम 1953 (1953 का अधिनियम संख्या 13) कि धारा 29 कि उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार वन बंदोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन भूमि या बंजर भूमि में या सरकार एवं निजी व्यक्तियों के अधिकारों कि जांच करके उन्हें लेखबद्ध करने हेतु नियुक्त करती हैं और ऐसी जांच साक्ष्य एवं अभिलेख उस प्रणाली में किया जायेगा जैसा कि इस अधिनियम कि धारा 6,7,8,10, 11 (2), 12, 13, 14, 17, 18 एवं 19 में प्रवाहित है।

और इस अधिनियम कि धारा 29 कि उप धारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण राजस्थान सरकार ऊपर कथित जांच एवं अभिलेख के विचारार्थ रहते कथित वन भूमि एवं बंजर भूमि को इस विज्ञप्ति के द्वारा संरक्षित वन के रूप में घोषित करती हैं परन्तु इससे व्यक्तियों या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार कि कमी नहीं होगी और न ही उन पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

और इस अधिनियम कि धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषणा करती हैं कि उक्त अवर्गीकृत वन में वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनुसूची में अंकित किये गये हैं। इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने कि तिथि से आरक्षित हो जायेंगे और पूर्वोक्त तारीख से कथित वन में पत्थर खोदना या चूना या लकड़ी का कोयला जलाया जाना अथवा किसी भी प्रकार कि वन उपज का संग्रहण किया जाना या निष्कासन करना या हटाया जाना और

उक्त वन में किसी भूमि कि खुदाई या कृषि हेतु या भवन निर्माण हेतु या मवेशी चराने या अन्य परियोजनार्थ वन कि सफाई करना या वनभूमि को खंडित किया जाना निषिद्ध करती है।

१ अनुसूची (वनभूमि एवं बंजर भूमि कि सूची)

२ अनुसूची (वनखण्ड में पेड़ प्रजातियों कि सूची)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,  
शासन सचिव, वन

विजयपाल सिंह,  
उप वन संरक्षक  
वन्यजीव, आबूपर्वत

गजेन्द्र सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
वन्यजीव-आबूपर्वत

**प्रथम अनुसूची (वन भूमि एवं बंजर भूमि की सूची)**

क्रम संख्या	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	दिशा	दिशावर सीमा का विवरण	राजस्व ग्राम विवरण	विशेष विवरण			विशेष विवरण
							खसरा नंबर	क्षेत्रफल (हेक्टर)	भूमि किस्म	
1	आबू नंबर 3 अ	देलदर	सिरोही	उत्तर	राजस्व ग्राम जवाई, उत्तरज	ब्लॉक नंबर- 3	205	4.5016	गैर मुमकिन पहाड़	33 केवी लाइन अनादरा से माउंट आबू 4.875 हेक्टर वनभूमि प्रत्यावर्तन के बदले में प्राप्त हुई है।
				दक्षिण	सकोड़ा		300/189	0.3794	गैर मुमकिन पहाड़	
				पश्चिम	तेलपी खेड़ा सिंगारली खेड़ा					
				पूर्व	ब्लॉक नंबर - 2, ओरिया एवं देलवाडा					
महायोग							2 किता	4.881		

नोट- वर्तमान में राजस्व ग्राम ब्लॉक नम्बर-3 देल्दर तहसील में आता है।

विजयपाल सिंह,  
उप वन संरक्षक  
वन्यजीव, आबूपर्वत

गजेन्द्र सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
वन्यजीव-आबूपर्वत

**द्वितीय अनुसूची****प्रस्तावित वनखण्ड में आने वाली वनस्पतियों के वानस्पतिक नामों की सूची**

क्रम संख्या	बॉटनिकल नाम	हिंदी नाम
1	Mangifera indica	आम
2	Beauty Monosperma	पलास
3	Syzygium Cumini	जामुन
4	Carissa Carandas	करोँदा
5	Salmo Salar	सालर

विजयपाल सिंह,  
उप वन संरक्षक  
वन्यजीव, आबूपर्वत

गजेन्द्र सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
वन्यजीव-आबूपर्वत

प्रमाण पत्र

वनखण्ड :- आबू नंबर 3 अ

रेंज :- आबू पर्वत।

वनमंडल :- आबू पर्वत।

1. प्रारूप में दर्शायी गयी भूमि की प्रकृति राजस्व जमाबंदी में राजकीय वन विभाग जंगलात के नाम से दर्ज हैं। इस भूमि पर वन विभाग द्वारा वानिकी कार्य करवाये जाने प्रस्तावित हैं और यह क्षेत्र वर्तमान में वन विभाग के नाम अमलदरामद हैं।
2. विज्ञप्ति प्रपत्र में उल्लेखित भूमि वन विभाग के अधीन हैं। प्रस्तावित भूमि में प्रथम दृष्टता कोई अतिक्रमण खनन कार्य नहीं किये हुए हैं।
3. प्रस्तावित वन क्षेत्रों में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही वन विभाग के अधीन हैं, जिन पर वानिकी विकास कार्य किये गये हैं। एवं भविष्य में किये जाने की संभावना हैं।
4. प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व 0.2 से 0.4 तक का हैं एवं इन क्षेत्रों में मुख्य जामुन, आम पलासकरोदा प्रजातियों के पेड़ एवं झाडिया हैं।
5. प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त वन भूमि वन विभाग के अधीन हैं तथा समीपवर्ती खातेदारी भूमिया प्रस्तावित वन सीमाओं से लगी हुई हैं एवं इससे प्रस्तावित वन क्षेत्रों के संरक्षण में कोई अवरोध नहीं होगा।
6. प्रस्तावित भूमियों का मानचित्र संलग्न हैं।
7. इस वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ हैं।
8. उक्त भूमि प्रस्ताव संख्या 33 केवी विद्युत लाइन अनादरा से माउंट आबू क्षेत्रफल 4.875 हेक्टर में वन संरक्षण अधिनियम 1980 के अंतर्गत क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण हेतु इस वन मंडल को आवंटित की गयी।
9. विज्ञप्ति में वर्णित वनभूमि के चारों ओर प्रत्येक दिशा में स्थित गैर वन भूमि के खसरा संख्या का उल्लेख निम्नानुसार है:-

खसरा नंबर :- 187, 189, 206, 208

विजयपाल सिंह,  
उप वन संरक्षक  
वन्यजीव, आबूपर्वत

गजेन्द्र सिंह,  
क्षेत्रीय वन अधिकारी  
वन्यजीव-आबूपर्वत

---

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।